पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों में अच्छी एवं सस्ती शिक्षा मिलनी चाहिए - राज्यपाल

लखनऊः 27 जून, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज होटल ताज विवान्ता में टाईम्स आफ इण्डिया एवं नवभारत टाईम्स ग्रुप द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड के चुनिंदा लोगों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। राज्यपाल ने कार्यक्रम में श्री डी0के0 मिश्रा निदेशक अविरल क्लासेस, सुश्री सुरभी मोदी सहाय एम0डी0 क्लैट पाॅसिबल, श्रीमती अर्चना निगम प्रिंसिपल देहली पब्लिक स्कूल, श्री विनय डायरेक्टर ध्येय आई0ए0एस0, डाॅ0 राकेश प्रेमी निदेशक डाॅ0 गौर हरि सिंघानिया इन्स्टीटयूट आफ रिसर्च एण्ड मैनेजमेंट, श्री अमित मोहन अग्रवाल अध्यक्ष ई-स्कावयर क्लासेस, श्री सर्वेश गोयल चेयरमैन जी0डी0 गोयनका पब्लिक स्कूल लखनऊ शाखा, श्री नीरज अग्रवाल जी0एल0ए0 विश्वविद्यालय, डाॅ0 अमृता दास निदेशक इंस्टीटयूट आफ कैरियर स्टडीज, प्रो0 इन्द्रनील मन्ना निदेशक इण्डियन इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलाॅजी कानपुर, श्री उमेश गौतम कुलाधिपति इन्वर्टीस विश्वविद्यालय, श्री फरीदा अब्राहम प्रिंसिपल लामार्टिनियर गल्र्स कालेज, श्री रमन बत्रा नोयडा इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलाॅजी, श्री प्राणवीर सिंह चेयरमैन प्राणवीर सिंह इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलाॅजी, श्री पंकज अग्रवाल कुलाधिपति श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, श्री एस0के0डी0 सिंह मैनेजर एस0के0डी0 ग्रुप, श्री दीपक मधोक चेयरमैन सनबीम ग्रुप, श्री सौरभ जैन एम0डी0 विद्या नालेज पार्क व अन्य लोगों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया जा रहा है। अच्छे लोगों का चयन करना वास्तव में मुश्किल काम है। इसके लिए टाईम्स ग्रुप बधाई का पात्र है। मैं पिछले 11 महिनों से उच्च शिक्षा का काम देख रहा हूँ। आज का सम्मान समारोह देखकर ऐसा लग रहा है जैसे रेगिस्तान के बीच हरियाली हो। यह दूसरों में आशा जगाने वाला काम है। पुरस्कार से मन बढ़ता है तथा मानसिक समाधान भी होता है।

श्री नाईक ने कहा है कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में असली समस्या गुणवत्ता बढ़ाने की है जो चुनौती से भरा है। विश्वसनीयता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए भाषण से नहीं उदाहरण से सुधार होगा। देश का कोई भी विश्वविद्यालय/शिक्षण संस्थान विश्व के चुनिंदा 200 संस्थानों में नहीं आता है। गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश में आने के बाद उन्होंने कुलपतियों से वार्ता करके उच्च शिक्षा को पटरी पर लाने का प्रयास किया। प्रसन्नता की बात है कि सभी विश्वविद्यालयों के दीक्षान्त समारोह समय पर सम्पन्न हो गये। परीक्षा में नकल रोकने पर भी किसी हद तक रोक लगी। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए अच्छे संसाधन की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने कहा गुणवत्ता के लिए संकल्प की आवश्यकता है। विश्वास के आधार पर विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा मिलें जिससे विद्यार्थियों का भविष्य सुधर सके। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संस्थानों की संख्या में वृद्धि हुई है। मगर विद्यार्थी विश्वविद्यालय की कक्षाओं में न जाकर कोचिंग क्लासेस जाना पसंद करते हैं। शिक्षा की उत्कृष्टता को बनाये रखने के लिए ऊर्जावान शिक्षकों की जरूरत हैं। शिक्षकों में अपने व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता होनी चाहिए। उच्च शिक्षा रोज-रोज महंगी होती जा रही है जो आम आदमी के पहुँच से बाहर है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों में अच्छी एवं सस्ती शिक्षा मिलनी चाहिए।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन श्री धनुषवीर सिंह ब्रांच हेड, टाईम्स ग्रुप ने दिया।

Excellence in
Education

Excellence in
ducation
June 27, 2

THE TIMES OF INDIA
NBT
नवभारत टाइम्स